हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 121 | हल्द्वानी (नैनीताल) शनिवार 14 मार्च 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

एलपीजी गैस किल्लत पर सदन में गूँजी हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश की आवाज

हल्द्वानी (संवाददाता)। प्रदेश की चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं, आयुष्मान योजना की खामियों और एलपीजी गैस किल्लत पर सदन में गूँजी हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश की आवाज।आज विधानसभा सदन में हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने प्रदेश की बदहाल और चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय एवं दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते कई लोगों को अपनी बहुमूल्य जान गंवानी पड़ रही है।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि उचित स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में जिला पंचायत अध्यक्ष अल्मोड़ा स्व. श्रीमती बिष्ट जी का असमय निधन होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। यह घटना प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करती है।उन्होंने हल्द्वानी में प्रस्तावित कैथ लैब के निर्माण में हो रही लगातार देरी पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले कई विधानसभा सत्रों में विभागीय मंत्री द्वारा जल्द कैथ लैब स्थापित किए जाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक इसका निर्माण नहीं हो पाया। यह दर्शाता है कि सरकार की

प्राथमिकताओं में आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन की कोई कीमत नहीं है।सदन में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड के तहत इलाज न मिलने की समस्या को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह पेंशनभोगियों के साथ सीधा अन्याय है। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान योजना के अंतर्गत इलाज से पूर्व विभिन्न जांचों के नाम पर गरीब जनता से पैसे वसूलने पर भी कड़ी आपत्ति जताई और मांग की कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज के साथ-साथ सभी आवश्यक जांचें भी पूर्ण रूप से निशुल्क की जाएं।विधायक सुमित हृदयेश ने युवाओं के बेहतर भविष्य और रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए हल्द्वानी में फॉरेन लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किए जाने की भी मांग सदन में रखी, ताकि प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। इसके अतिरिक्त देशभर में व्याप्त एलपीजी गैस की किल्लत का मुद्दा भी सदन में उठाया गया। इस विषय को लेकर कांग्रेस के समस्त विधायकों ने सदन में धरना देते हुए राज्य सरकार से आम जनता को तत्काल राहत प्रदान करने की मांग की।

अलविदा जूमे पर मस्जिदों में उलमाओं के द्वारा नमाज अदा कराई

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में मुकद्दस रमजान के अलविदा जूमे पर मुस्लिम समाज के लोगों को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में उलमाओं के द्वारा नमाज अदा कराई गई।नगर की जामा मस्जिद में इमाम मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी,बड़ी मस्जिद में मुफ्ती शकील अहमद सहित अन्य नगर और ग्रामीणों की मस्जिदों में भी अलविदा नमाज अदा कराई गई।नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अल्लाह पाक की बारगाह में हाथ उठाकर देश में अमन चौन, भाईचारे और कौम के लिए दुआएं मांगी गई।

उलमाओं ने कहा कि मुकद्दस रमजान का महीना बहुत ही रहमत और बरकतों वाला महीना होता है।इस महीने में मुस्लिम समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुकद्दस रमजान सब्र, इंसानियत,भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद करने का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि लोगो को चाहिए कि समाज में भाईचारे और मोहब्बत को कायम कर एक दूसरे की मदद करे। उन्होंने कहा कि आपस में रहकर एक दूसरे के साथ प्यार मोहब्बत कर इंसानियत का पैगाम दे।गरीबों, मजलूमों और जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम देता है।नफरत का नहीं देता है।अलविदा जूमे के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने कब्रिस्तान जाकर दुनिया से रुखसत हुए अपने बुजुर्गों की कब्रों पर जाकर उनकी रूहों को शबाब पहुँचाया। इस मौके पर नयाब इमाम हाफिज मुजफ्फर अली, जामा मस्जिद प्रशासक शकील खान, आरिश सिद्दीकी, मो नाजिम, वाकर रजा आदि मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। हिमालय स्वराज सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा श्रृंखला के अंतर्गत गंगापुर गौलापार में 13वीं श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का संगीतमयी एवं भावपूर्ण वाचन व्यास आचार्य राजेन्द्र तिवाड़ी जी के श्रीमुख से किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।कथा के पंचम दिवस पर व्यास जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत सुंदर एवं भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा से पूर्व प्रात:कालीन पूजन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान विधिवत सम्पन्न किए गए।आज के मुख्य जजमान के रूप में शोभन सिंह बिष्ट, हरुली देवी, देवेंद्र सिंह, शोभा देवी, प्रकाश बिष्ट एवं भूमि बिष्ट सपत्नीक उपस्थित रहे। पूजन कार्य आचार्य संतोष जोशी तथा हरिद्वार से पधारे कमल जोशी द्वारा संपन्न कराया जा रहा है। कथा के संगीतमयी आयोजन में संगीतकार राकेश पांडे एवं तबला वादक महेंद्र सिंह अपनी मधुर प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं।

भाजपा नेता विपिन काण्डपाल को भाजपा किसान मोर्चा का जिला महामंत्री बनाया

रामनगर (संवाददाता)। भाजपा नेता विपिन काण्डपाल को भाजपा किसान मोर्चा का जिला महामंत्री बनाया गया है।इस दौरान विधायक बंशीधर भगत, विधायक दिवान सिह बिष्ट, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट,भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद प्रतिनिधि इंदर सिंह रावत,प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा महेन्द्र सिंह नेगी, प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र सिंह बिष्ट, अध्यक्ष मण्डी परिषद उत्तराखण्ड डा० अनिल कपूर डब्बू, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा गणेश शाह, जिला प्रभारी प्रताप बोरा, जिला महामंत्री रजन बर्गली, प्रदेश प्रवक्ता विकाश भगत, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, प्रदेश मंत्री हरिश सुनाल, ब्लॉक प्रमुख मनीशा जंतवाल, मडल अध्यक्ष कमलेश पाण्डे, विक्रम जंतवाल, मण्डल अध्यक्ष पिरूमद्वारा बलदेव रावत, कमल नयन जोशी,

चन्द्र प्रकाश जोशी, जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, प्रधान संगठन अध्यक्ष कोटाबाग सुरेन्द्र बोरा, पूर्व प्रधान हेम पाठक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धर्म दत्त सती, भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत आदि लोगों ने बधाई दी।वही विपिन काण्डपाल ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी मेरे शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गई है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

नेपाल में महिला दिवस पर चुनावी गिफ्ट

नेपाल में बिना होहल्ले और शोरशराबे के चुनाव सम्पन्न हो गये। ईरान-इस्रायल जंग के दरम्यां हुये इस चुनाव की ओर लोगों का ज्यादा ध्यान नहीं गया, किंतु महिला दिवस पर आये नतीजों ने छोटे मुल्क में बड़ी इबारतें लिख दीं। मतदाताओं ने वाम और दक्षिण को धता बतायी, राजशाही के समर्थकों को ठेंगा दिखाया और फकत चार साल पहले वजूद में आई पार्टी - राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को प्रचंड जनादेश प्रदान किया। जनादेश के फलस्वरूप 35 वर्षीय बालेन शाह नेपाल के युवतम प्रधानमंत्री होंगे। इस पद तक पहुँचे वह पहले मधेशी और पहले बौद्ध मतावलंबी भी हैं।

इस दूरगामी महत्त्व के चुनाव की एक और खासियत रही कि आरएसपी की 16 प्रत्याशिनों में से 13 विजयी रहीं। बिला शक इसे महिला दिवस पर नेपाली मतदाताओं की खूबसूरत और काबिले तारीफ गिफ्ट माना जा सकता है।राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने महिला उम्मीदवारों की सफलता मंत एक मील का पत्थर हासिल किया है, जिसमें उसकी 16 में से 13 महिला उम्मीदवार विजयी हुई हैं। ज्यादातर विजेताओं ने भारी अंतर से अपनी सीटें हासिल कीं, जो पार्टी की महिला नेताओं के लिए समर्थन की एक मजबूत लहर को दिखाता है।हालांकि, पार्टी को तीन हार का सामना करना पड़ा। बिनीता कठायत जुमला में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के ज्ञानेंद्र शाही से हार गई; सरीन तमांग को सुनसरी-1 में श्रम संस्कृति पार्टी के हरका राज राय ने हराया; और ताशी ल्हांजोम हुमला में चौथे स्थान पर रहे।रंजू दर्शना ने काठमांडू-1 में पार्टी का खाता खोला, ललितपुर-3 में, तोसिमा कार्की ने लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल किया। सबिता गौतम, जिन्होंने 2022 के चुनाव में काठमांडू-2 का प्रतिनिधित्व किया था, ने सफलतापूर्वक अपना निर्वाचन क्षेत्र चितवन-3 में स्थानांतरित कर दिया। उन्हें 59,277 वोट मिले, जिससे उन्होंने नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी की उम्मीदवार रेणु दाहाल, जो भरतपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी की पूर्व मेयर थीं, को भारी हार का सामना करना पड़ा। रेणु दाहाल पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड की बेटी हैं.मोरंग-6 में, काठमांडू यूनिवर्सिटी से एमबीए ग्रेजुएट रुबीना आचार्य ने 55,513 वोटों के साथ जबरदस्त जीत हासिल की। और दक्षिण में मोरंग-5 में, पब्लिक हेल्थ ग्रेजुएट और पहले हेल्थ वॉलंटियर रहीं आशा झा ने 20,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। झापा में, क्रस्क्क ने दो जीत दर्ज कीं। निशा डांगी (झापा-1) ने 45,680 वोट हासिल किए. पूर्व डिप्टी स्पीकर इंदिरा राणा मगर (झापा-2) को 60,110 वोट मिले।सरलाही-1 में, नितिमा भंडारी कार्की ने 44,181 वोटों के साथ जीत हासिल की, एक सफल एग्रीकल्चरल एंटरप्रेन्योर कोमल ग्यावली कैलाली-1 से 17,862 वोटों के साथ चुनी गईं। सोशल वर्कर बीना गुरुंग ने 37,750 वोट हासिल किए और कास्की-3 में कांग्रेस उम्मीदवार मनोज गुरुंग को 24,970 वोटों के अंतर से हराया। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट आशिका तमांग 39,128 वोटों के साथ संसद में पहुंचीं, उन्होंने धादिंग-1 में यूएमएल के पुराने नेताओं भूमि प्रसाद त्रिपाठी और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के राजेंद्र प्रसाद पांडे को हराया।

नई व्यवस्था बनने की आशाएं धूमिल

नेताओं के अवसरवाद तथा आर्थिक समस्याओं से त्रस्त नौजवानों ने कुछ नया बनाने की इच्छा के साथ तत्कालीन सरकार को उखाड़ फेंका था। लेकिन उसके बाद अब लोगों के पास जो विकल्प हैं, उनसे नई व्यवस्था बनने की आशाएं धूमिल ही हैं।पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी विद्रोह से नेपाल में आया बदलाव कितना टिकाऊ साबित हुआ, यह गुरुवार को होने वाले मतदान के परिणाम से जाहिर होगा। नेपाल के एक करोड़ 90 लाख मतदाता 275 सदस्यों की प्रतिनिधि सभा को चुनने के लिए मतदान करेंगे। नेपाल की चुनाव प्रणाली के मुताबिक 165 सदस्य प्रत्यक्ष रूप से फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम के तहत चुने जाते हैं। बाकी 110 सीटें विभिन्न पार्टियों को उन्हें मिले मत प्रतिशत के अनुपात में आवंटित की जाती हैं। जेन-जी विद्रोह का प्रमुख कारण राजनीतिक दलों की सत्ता लिप्सा, वर्षों से जारी उनका अवसरवाद, और राजनेताओं के परिजनों की आलीशान जिंदगी थी। बेरोजगारी तथा आर्थिक समस्याओं से त्रस्त नौजवानों ने कुछ नया बनाने की इच्छा के साथ तत्कालीन सरकार को हिंसक ढंग से उखाड़ फेंका। लेकिन विडंबना यह है कि उसके बाद अब लोगों के पास जो विकल्प हैं, उनसे नई व्यवस्था बनने की आशाएं धूमिल ही हैं। लोगों के सामने नए विकल्प के तौर पर उज्यालो नेपाल पार्टी अकेला नया दल है, लेकिन उसकी संभावनाएं ज्यादा उज्ज्वल नहीं मानी जा रही हैं। नयेपन का अहसास कराने वाला एक अन्य दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) है, जिसका उदय पिछले संसदीय चुनाव के समय हुआ था। रैपर और काठमांडू के बहुचर्चित मेयर बालेन शाह इसी दल में शामिल होकर प्रधानमंत्री के दावेदार के बतौर चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्हें जेन-जी का प्रिय उम्मीदवार बताया गया है।

निवारक स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी भूमिका निभा रहा है योग

प्रतापराव जाधव द्वारा

बीते दशक में योग को केवल पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में ही नहीं सराहा गया, बल्कि उसे उत्त रोत्तवर रूप से स्वास्थ्य और कल्याण के लिए साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के रूप में भी पहचाना जाने लगा है। वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और वैश्विक सहयोग अब हमें योग को केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि एक सशक्त्ै जन-स्वास्थ्य हस्तक्षेप समझने में भी मदद कर रहे हैं।मोरारजी देसाई राष्ट्री य योग संस्था न (एमडीएनआईवाई) को पारंपरिक चिकित्सा (योग) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है और योग अनुसंधान में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका और भी मजबूती प्रदान करते हुए वर्ष 2025-2029 के लिए इसे फिर से निमित किया गया है। यह पहचान गैर-संचारी रोग (एनसीडी) के लिए साक्ष्य-आधारित योग हस्तिक्षेपों को बढ़ावा देने में संस्था न की बढ़ती भूमिका को दिखाती है। इस पहल के प्रमुख साझेदारों में आयुष मंत्रालय, एम्सा दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, और इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली शामिल हैं।इन सहयोगों के माध्यम से केंद्र मधुमेह, मोटापा और तनाव से संबंधित विकारों जैसे गैर-संचारी रोगों के लिए योग-आध ारित हस्तक्षेपों पर तकनीकी दिशानिर्देश विकसित कर रहा है और अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है। इन प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय संगठन भी साझेदारी कर रहे हैं, जिससे योग की वैज्ञानिक आधारशिला और मजबूत हो रही है तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक रूप से लागू किए जा सकने वाले, किफायती और साक्ष्य-समर्थित प्रभावी साधन के तौर पर योग की क्षमता प्रदर्शित हो रही है।संस्थागत स्तर पर एमडीएनआईवाई योग की वैज्ञानिक आधारशिला को मजबूती प्रदान करना जारी रखे हुए है। शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन, बायोमैकेनिक्स और मनोविज्ञान की अनुसंधान प्रयोगशालाओं के माध्यम से यह संस्थान योग के मनो-शारीरिक और जैव-रासायनिक प्रभावों, उम्र बढ़ने में इसकी भूमिका तथा जीवनशैली से जुड़े विकारों पर इसके प्रभाव का अध्ययन करता है। यह कार्य पारंपरिक ज्ञान को आध ुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ जोड़ने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता हैडिजिटल प्लेटफॉर्मों ने योग की पहुँच को और अधिक बढ़ाया है, जिससे साक्ष्य-आध ारित पद्धतियाँ सीधे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन रही हैं। एम-योग मोबाइल एप्लिकेशन और वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल जैसे प्रयास यह दिखाते हैं कि योग की प्रामाणिकता और चिकित्सकीय महत्वि बनाए रखते हुए उसे बड़े स्तर पर पहुँचाया जा सकता है। विश्वै स्वास्थ्य च संगठन के सहयोग से विकसित किए गए एम-योग प्लेटफॉर्म पर 1.1 लाख से अधिक डाउनलोड दर्ज किए जा चुके हैं, जो सुलभ डिजिटल वेलनेस टूल्स में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। वहीं कार्यस्थल योग कार्यक्रम वाई-ब्रेक ख़ जो काम के दौरान 5-10 मिनट का सरल योग ब्रेक है ख़ से अब तक 33 लाख से अधिक सरकारी अधिकारियों को लाभ मिल चुका है। इन पहलों से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्ष और सहभागिता विश्लेषण अत्यंत उत्साहजनक हैं। वाई-ब्रेक अभ्यास से कुछ ही सप्ताहों में अनुभूत तनाव में लगभग 40 प्रतिशत तक कमी देखी गई है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि इससे मानसिक सतर्कता, भावनात्मक दृढ़ता और निर्णय-क्षमता में सुधार होता है। इसके साथ-साथ कॉर्टिसोल स्तर जैसे शारीरिक संकेतकों में भी सकारात्मक परिवर्तन पाए गए हैंशारीरिक लाभों में गर्दन, कंधे और कमर के दर्द में कमी, श्वास अभ्यास से सांस लेने की क्षमता में सुधार और संपूर्ण जीवन शक्ति में वृद्धि शामिल हैंख़्ये परिणाम विशेषकर आज के निष्क्रिय, स्क्रीन-आध ारित कार्यस्थलों में प्रासंगिक हैं। वाई-ब्रेक अभ्यास ने अनुपस्थिति में कमी लाने , कर्मचारियों के मनोबल में सुधार लाने, और कार्य-जीवन में स्वस्थ संतुलन कायम करने में भी योगदान दिया है, जो व्यक्तिगत और संगठनात्मक कल्याण दोनों को मजबूत बनाने की योग की क्षमता को दर्शाता है।

एमडीएनआईवाई और केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा सम्मेलन-2026 के दौरान भी वैज्ञानिक प्रमाण के महत्वो पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने यह रेखांकित किया कि सुदृढ़ अनुसंधान, अंतरविषयक सहयोग, और प्रभावी डिजिटल सहभागिता आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में योग को एकीकृत करने और स्प ष्टि स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य हैं।

ये घटनाक्रम योग के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं। अब इसे केवल व्यक्तिगत कल्याण के अभ्यास के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि यह उत्ततरोत्तर रूप से जन-स्वास्थ्य, कौशल विकास और वेलनेस आध ारित रोजगार के अवसरों के एक मार्ग के रूप में उभर रहा है। योग परंपरा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ते हुए ग्लोबल योग क्रांति की प्रेरक शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय वेलनेस क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को और मजबूत कर रहा है। जैसे-जैसे हम 13 मार्च के करीब पहुँच रहे हैं, जो 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 100-दिन के काउंटडाउन का संकेत है, यह हमें इस बारे में सोचने का अवसर देता है कि किस प्रकार योग एक प्राचीन पद्धति से लेकर वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य और कल्याण मार्ग के रूप में विकसित हो गया है। ये सौ दिन हमें याद दिलाएं कि हम दैनिक योग अभ्यास शुरू करें या उसे नवीनीकृत करें, और अपने परिवार, मित्रों और समुदायों को योग को जीवन जीने का तरीका बनाने के लिए प्रेरित करें। योग को दैनिक जीवन में शामिल करके, हम केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को ही मजबूत नहीं करते, बल्कि सामूहिक कल्याण, संगठनात्मक दक्षता और सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देते हैं। आज, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से, भारत योग की अनंत ज्ञान परंपरा को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और सार्वभौमिक रूप से सुलभ मार्ग में बदलने का अगला निर्णायक कदम उठा रहा है, जो वैश्विक स्वास्थ्य, संतुलन और कल्याण के लिए मार्गदर्शक बन सकेगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

सोमवार को डोईवाला डिग्री कॉलेज में लगेगा रोजगार मेला

डोईवाला संवाददाता। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय देहरादून के द्वारा शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोईवाला देहरादून में सोमवार को 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग, हॉस्पिटेलिटी सर्विस, फार्मा, टेलीकॉम, ई-कॉमर्स सेल्स एण्ड मार्केटिंग आदि क्षेत्रों की प्रतिष्ठित 35 से अधिक नियोजकों द्वारा 900 से अधिक पदों हेतु साक्षात्कार आयोजित कर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किया जायेंगे। रोजगार मेले में आठवीं, हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आई०टी०आई, डिप्लोमा आदि शैक्षिक योग्यताधारी अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जा सकता है।

लक्सर में प्रभारी क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी की तैनाती

रुड़की(संवाददाता)। जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश कुमार पाल ने लक्सर में प्रभारी क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी के रूप में दिनेश कुमार शर्मा की तैनाती के आदेश जारी किए हैं। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी बबीता कटारिया के स्थानांतरण के बाद यह पद रिक्त हो गया था। दिनेश कुमार शर्मा सोमवार को लक्सर कार्यालय पहुंचकर अपना कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाएगा और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी।

ग्रामीण के खेत में पड़ा मिला प्रतिबंधित मांस

रुड़की(संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र के गगनौली गांव में खेत में प्रतिबंधित मांस पड़ा मिलने की सूचना पर हिंदू संगठन के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्रतिबंधित मांस को नष्ट कराकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। एसएसआई नितिन चौहान ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गगनौली गांव के पास एक ग्रामीण के खेत में संरक्षित पशु का मांस पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान हिंदू संगठनों के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके से प्रतिबंधित मांस को कब्जे में लेकर गड्ढा खुदवाकर उसे नष्ट कर दिया।

गैस सिलेंडर की गाड़ी पहुंचते ही उमड़ी भीड़, पुलिस ने लाइन लगवाकर कराया वितरण

रुड़की(संवाददाता)। कस्बे में गैस सिलेंडर की गाड़ी पहुंचते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके बाद पुलिस ने लोगों को लाइन में लगाकर सिलेंडर बंटवाए। पिछले कई दिनों से गैस की किल्लत के चलते अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। रुड़की और पिरान कलियर की एजेंसियों से गाड़ियां यहां गैस की आपूर्ति करती हैं। शुक्रवार सुबह रुड़की की एजेंसी की गाड़ी के पहुंचने पर सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। इससे अफरा-तफरी की स्थिति बनने लगी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर लाइन में खड़ा कराया।

सड़कों की खुदाई से लेकर भर्ती प्रक्रिया में सुधार की मांग

रुड़की(संवाददाता)। विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को विधायक प्रदीप बत्रा ने सड़क निर्माण, युवाओं के रोजगार और रुड़की नगर निगम के टैक्स संबंधी मुद्दों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्य मार्गों के निर्माण से पहले एक ठोस नीति बनाई जाए। कहा कि सड़क बनने के बाद उसे सीवर, पेयजल या गैस पाइपलाइन के लिए बार-बार खोदना जनता के पैसे की बर्बादी है। सड़क निर्माण से पहले ही सभी संबंधित विभागों को सूचित कर इन लाइनों को भूमिगत करने का कार्य पूरा किया जाना चाहिए।

घर के आंगन से रिश्तेदार की बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

रुड़की(संवाददाता)। क्षेत्र के ग्राम गदरजुड्डा में चोरों ने घर में चल रहे शादी समारोह के बीच आंगन में खड़ी एक बाइक पर हाथ साफ कर दिया। परिजनों ने आसपास के क्षेत्र और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, लेकिन वाहन का कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

रुड़की में कूड़े का पहाड़, 870 मीट्रिक टन कचरा जमा

रुड़की(संवाददाता)। रुड़की शहर इन दिनों कूड़े के संकट से जूझ रहा है। पिछले पांच दिनों से शहर से कूड़ा नहीं उठाए जाने के कारण सड़कों और मोहल्लों में गंदगी का अंबार लग गया है। हालात यह हैं कि शहर में करीब 870 मीट्रिक टन कूड़ा जमा होकर पहाड़ का रूप ले चुका है। नगर निगम की व्यवस्था ठप होने से जगह-जगह कूड़े के ढेर दिखाई दे रहे हैं, जिससे दुर्गंध और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार पहले शहर से प्रतिदिन लगभग 145 मीट्रिक टन कूड़ा उठाया जाता था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

अल्मोड़ा में खुलेगा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर, सदन में की गई घोषणा

- वर्तमान में सिर्फ देहरादून में है सेंटर, वर्ष 2023 से हुई शुरूआत

- सरकार की योजना से 92 युवाओं को विदेशों में मिली है नौकरी

देहरादून(संवाददाता)। विदेशी भाषाएं सीखकर विभिन्न देशों में नौकरी करने के इच्छुक छात्र-छात्राओं को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत वर्तमान में सिर्फ एक सेंटर है। यह सेंटर वर्ष 2023 से देहरादून में संचालित है। अल्मोड़ा में सेंटर खुलने के बाद इस तरह के सेंटरों की प्रदेश में संख्या दो हो जाएगी।राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना को शुरू किया है। इसके अंतर्गत देहरादून में पहला लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है, जिसमें विभिन्न भाषाओं का बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और यहीं से उनकी नौकरी की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभाग को निर्देश दिए हैं कि इन सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इसका लाभ मिल सके। शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सरकार की ओर से अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की।बच्चों की ट्रेनिंग पर सीएम गंभीर, बजट बढ़ाया: इस योजना में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को लाभ पहुंचाने को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काफी गंभीर है। यही वजह है कि इस योजना में ट्रेनिंग का जो बजट सिर्फ 75 लाख रूपये का था, उसे इस बार 3.3 करोड़ रूपये कर दिया गया है। कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की सकारात्मक सोच के चलते अब और ज्यादा बच्चों को ट्रेनिंग का लाभ मिल पाएगा। कौशल विकास: व्यवस्था और अवसर: '147बच्चों को अभी तक दिया गया विदेशी भाषा का प्रशिक्षण '92बच्चों की विभिन्न देशों में अभी तक लग चुकी है नौकरी'08से 10 माह का बच्चों को दिया जाता है सेंटर में प्रशिक्षण'16अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से दिया जा रहा है प्रशिक्षण '10और बच्चों के लिए सऊदी अरब में है नौकरी का प्रस्तावसऊदी अरब में सेवारत 30 बच्चे सुरक्षित: पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच राज्य सरकार उन लोगों की भी पूरी चिंता कर रही है, जिन्हें इस योजना के माध्यम से विदेशों में नौकरी मिली है। सदन में कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि सऊदी अरब में सेवारत लोगों से बात हुई है और वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना : सीएम धामी

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में कहा कि उत्तराखण्ड को हाल के वर्षों में वित्तीय प्रबंधन, राजकोषीय अनुशासन तथा सुशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी वित्तीय नीतियों, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि के साथ किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। भराड़ीसैण (गैरसैण) में विधानसभा सत्र में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में नीति आयोग द्वारा प्रकाशित फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 (रिपोर्ट 2023-24) में उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई है। इस रिपोर्ट में उत्तराखण्ड को उत्तर-पूर्वी एवं हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि राज्य की राजस्व वृद्धि, व्यय की गुणवत्ता में सुधार, घाटा प्रबंधन तथा ऋण प्रबंधन में अपनाई गई सुदृढ़ नीतियों का परिणाम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय अनुशासन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है। अरुण जेटली फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिपोर्ट में भी उत्तराखण्ड को विशेष दर्जा प्राप्त हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मजबूत वित्तीय व्यवस्था और उत्तरदायी शासन प्रणाली को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया किभारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (महालेखाकार) से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड सरकार ने राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम में निर्धारित मानकों का पूर्णत: पालन किया है। राज्य ने राजस्व अधिशेष की स्थिति को बनाए रखा है तथा राजकोषीय घाटा (थ्येबंस क्मपिबपज) भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद की निर्धारित सीमा के भीतर रखा गया है।

उत्तराखंड में पर्याप्त घरेलू गैस, धैर्य रखें-परेशान न हों: सीएम

देहरादून(संवाददाता)। ईरान-इजराइल युद्ध की वजह से उपजे प्राकृतिक गैस के संकट के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। शुक्रवार को विधानसभा परिसर के बाहर मीडिया कर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार केंद्र सरकार और तेल कंपनियों के संपर्क में है। उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार गैस की लगातार आपूर्ति हो रही है। तेल कंपनियों के स्थानीय गोदामों में गैस का पर्याप्त स्टॉक है। इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है।मुख्यमंत्री ने अपील की कि लोग अनावश्यक परेशान न हों। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। गैस एजेंसियों के गोदामों का भी नियमित रूप से मुआयना किया जा रहा है।

किसानों की फसल बचाने को केंद्र से मिले 25 करोड़

-सरकार के प्रयास लाए रंग, घेर-बाड़ योजना में फिर से शुरू हुई केंद्र की मदद

-सीएम ने केंद्रीय कृषि मंत्री से की थी बात, बताई थी राज्य की दिक्कत

-केंद्र से मदद मिलनी बंद होने पर जिला योजना से प्रदेश चला रहा था काम

देहरादून(संवाददाता)। जंगली जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिए राज्य सरकार के प्रयास रंग लाए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बातचीत के बाद घेर-बाड़ योजना के लिए केंद्रीय मदद एक बार फिर से मिलनी शुरू हो गई है। इस क्रम में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 25 करोड़ रूपये की सहायता उत्तराखंड के लिए मंजूर की है। उत्तराखंड में जंगली जानवरों से किसानों की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। इसकी रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने घेर बाड़ योजना शुरू की है। तीन वर्ष पहले तक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर आर्थिक सहयोग किया जा रहा था। मगर बाद में केंद्रीय सहायता बंद हो गई। किसानों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला योजना से घेर बाड़ के लिए मदद उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस योजना में केंद्रीय मदद प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत थे। विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को कृषि मंत्री गणेश जोशी ने घेर बाड़ योजना के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय से 25 करोड़ की स्वीकृति मिलने की जानकारी सदन में दी। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों गौचर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने सरकार ने इस विषय को रखा था। अब इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर 25 करोड़ की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में मंत्रालय का पत्र विभाग को प्राप्त हो गया है।तीन वर्षों में 2841 हेक्टेयर जमीन की घेर बाड़: राज्य सरकार ने सदन में जानकारी दी कि पिछले तीन वर्षों में जिला योजना से 2841 हेक्टेयर जमीन की घेर बाड़ कराई गई है। इस क्रम में 44 हजार 429 किसान लाभान्वित हुए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सदन में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में संवेदनशीलता दिखाई है। इस बार के बजट में घेर बाड़ योजना के लिए दस करोड़ का प्रावधान किया गया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

गढ़वाली फिल्म मां सुरकंडा का हुआ उद्घाटन

नई टिहरी(संवाददाता)। बौराड़ी त्रिहरी सिनेमा हॉल में धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की गढ़वाली फीचर फिल्म मां सुरकंडा फिल्म का उद्घाटन किया गया है। फिल्म में चंबा ब्लॉक के जड़धार गांव के लोगों को मां सुरकंडा के मैती बनने की गाथा, हरिद्वार कनखल स्थित मायके में माता सती का अपमान और मंदिर स्थापना सहित सुरकंडा देवी की महिमा के कई ऐतिहासिक दृश्य फिल्माए गए हैं। जिससे लोगों ने इस फिल्म को खूब पसंद किया है। नगर पालिका में स्थित त्रिहरी सिनेमा हॉल में जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण और नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने फिल्म का उद्घाटन किया। पीआर फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले अशोक चौहान के निर्देशन में बनी है। इसके निर्माता प्रेम सिंह और राजेंद्र प्रसाद भट्ट हैं। फिल्म में मां सुरकंडा से जुड़ी कई धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई है। फिल्म के लेखक व गीतकार पदम गुसाई, संगीत संजय कुमोला,विनोद चौहान, सुमित गुसाई, गायक नरेंद्र सिंह नेगी, प्रीतम भरतवाण, ओम बधाणी, पदम गुसाई, रवि गुसाई, पूनम सती, अंजली खरे, रेणू बाला, पूनम सकलानी, प्रोडक्शन मैनेजर संदीप असवाल, फोटो ग्राफी सोनू वर्मा, पोस्टर डिजाइन आशु राणा ने किया है। इस मौके पर पूर्व विधायक धन सिंह नेगी, बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता विजय जड़धारी, कवि सोमवारी लाल सकलानी, बेबी असवाल और यशपाल नेगी आदि मौजूद थे।

खिलाड़ियों और युवाओं ने मांगी रुकी पुरस्कार राशि

नई टिहरी(संवाददाता)। खेल महाकुंभ के तहत खिलाड़ियों और युवाओं को रुकी पुरस्कार धनराशि न मिलने से आक्रोशित युवाओं ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य के खिलाफ नारेबाजी कर उनका पुतला फूंका। उन्होंने रुकी हुई पुरस्कार राशि दिए जाने की मांग की। नई टिहरी के हनुमान चौक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री आर्य के खिलाफ प्रदर्शन करते खिलाड़ियों और युवाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी रुकी पुरस्कार की धनराशि नहीं मिलती है तो बेमियादी आंदोलन शुरू करेंगे। युवक दिव्यांशु रावत ने कहा कि गत नौ जनवरी को विधानसभा स्तरीय खेल महाकुंभ संपन्न हो चुका है। दो माह बीतने के बाद भी खिलाड़ियों को उनकी पुरस्कार राशि नहीं मिल पाई है। बताया गत वर्ष की कई टीमों और खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि का भुगतान भी नहीं किया गया है। कहा कि सरकार युवाओं और खिलाड़ियों के साथ सौतेला व्यवहार अपनाए हुए है। इस संबंध में कई बार युवा कल्याण विभाग से भी पत्राचार किया, लेकिन पुरस्कार राशि का भुगतान नहीं हो पाया। पुरस्कार राशि न मिलने से खिलाड़ियों और युवाओं को निराशा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से शीघ्र खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि उनके बैंक खातों में भेजने की मांग उठाई है। प्रदर्शन करने वालों में रोहित, साहिल, दीपक, कार्तिक, साहिल सजवाण, नितिन, निशांत, सार्थक, सक्षम नेगी, सक्षम रावत, बॉबी, प्रत्यूश, राघव, अंशुमन, आयुष्मान, युवराज, सुमित, ऋषभ, ऋषि,नमन, प्रियांशु, सुजल, जयेश आदि मौजूद थे।

रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती महंगाई पर महिला कांग्रेस का विरोध

नई टिहरी(संवाददाता)। महिला कांग्रेस ने रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध जताया। उन्होंने बौराड़ी गांधी आश्रम के परिसर में लकड़ियों में खाना पकाकर अपना विरोध जताया। कांग्रेस पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष आशा रावत ने कहा कि भाजपा की नीतियों से देश की जनता परेशान हैं। पहले से जनता महंगाई से परेशान हैं। रसोई गैस के बढ़ते दामों और किल्लत से लोगों को गैस सिलिंडर लेने के लिए दिनभर लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश की जनता पहले नोट बंदी, फिर कोरोना काल में ऑक्सीजन सिलिंडर और अब गैस सिलिंडर के लिए लाइन में लगना पड़ रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में फैसला ले रहे हैं।

गैस सिलिंडर के लिए घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ लौटे

नई टिहरी(संवाददाता)। घनसाली गैस गोदाम में भी सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। कई घंटों तक लाइन में खड़े रहने के बाद पता चला कि गैस नहीं मिलेगी। इस पर लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से उन्हें रोज एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लंबे इंतजार के बाद भी लोगों को खाली लौटना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि जब रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है, तो पहले की तरह होम डिलीवरी क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने रसोई गैस आपूर्ति नियमित कराने की मांग की है।

नाबालिग को भगा ले जाने के आरोप में चार साल की सजा

नई टिहरी(संवाददाता)। विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) की अदालत ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को चार साल का कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड नहीं भरने पर आरोपी को तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। राज्य सरकार द्वारा पीड़िता को प्रतिकर के रूप में एक लाख रुपये देने के आदेश दिए गए हैं। घनसाली पुलिस थाने में पीड़िता की मां की ओर से सात अप्रैल 2023 को आरोपी राजाराम निवासी ल्वारखा प्रतापनगर के विरुद्ध तहरीर दी गई थी। जिसमें बताया कि उसकी 17 साल की पुत्री सुबह आठ बजे घर से बोर्ड परीक्षा देने निकली थी। लेकिन देर सायं तक घर वह नहीं लौटी। बेटी के घर नहीं लौटने पर रिश्तेदारों से लेकर आसपास तलाश करने पर भी उसका कुछ पता नहीं चल पाय। पुलिस ने तहरीर लेकर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नाबालिग को आरोपी के साथ 21 अप्रैल को ग्राम ल्वारखा से बरामद किया। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कर जेल भेजा।

केदारघाटी क्षेत्र में दो सप्ताह से नहीं पहुंची गैस, अगस्त्यमुनि में लगी रही लाइन

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। केदारघाटी क्षेत्र में करीब दो सप्ताह से इंडेन गैस का सप्लाई वाहन नहीं पहुंचने से उपभोक्ताओं में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों देश में गैस संकट की चर्चाओं के बीच दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में लोग पहले से ही चिंतित हैं। ऐसे में दो सप्ताह से गैस सप्लाई न पहुंचने से उपभोक्ताओं की दिक्कतें बढ़ गई हैं। वहीं अगस्त्यमुनि स्थित आनंद इंडेन गैस एजेंसी में गैस सिलिंडर लेने के लिए लोगों की लाइन लगी रही। केदारघाटी के फाटा गांव के जगत सिंह रमोला और अशोक सेमवाल ने बताया कि पहले इंडेन गैस की सप्लाई तय समय पर हो जाती थी लेकिन पिछले दो हफ्तों से वाहन नहीं पहुंचा है। उन्होंने गैस की आपूर्ति पूर्व की तरह नियमित करने की मांग की है। इधर जखोली विकासखंड के अंतर्गत जैली, कंडाली, मुसडुंग कुमड़ी, बुडोली आदि गांवों में भी विगत दो माह से रुद्रप्रयाग एजेंसी की गैस नहीं पहुंची है। वहीं अगस्त्यमुनि एजेंसी की ओर से भी फरवरी में इन क्षेत्रों में सिलिंडर नहीं बांटे गए हैं। ग्रामीण राकेश सिंह ने बताया कि लंबे समय से गैस न आने के कारण सिलिंडर खाली हैं। वहीं अगस्त्यमुनि स्थित आनंद इंडेन गैस एजेंसी में शुक्रवार को गैस सिलिंडर लेने के लिए उपभोक्ताओं की लाइन लगी रही। उन्हें गैस के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। एजेंसी प्रबंधक रॉबिन चौधरी ने बताया कि पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी के बाद ही नकद भुगतान लेकर सिलिंडर दिया जा रहा है। एजेंसी की ओर से फिलहाल घरेलू सिलेंडर ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं कमर्शियल सिलिंडर नहीं हैं। उपभोक्ता आनंद प्रकाश बछेती ने बताया कि पहले गैस सिलेंडर की कीमत 888.50 रुपये थी जो अब बढ़कर 948.50 रुपये हो गई है जिससे आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। वहीं कई उपभोक्ताओं ने ओटीपी में देरी और ई-केवाईसी न होने के कारण गैस लेने में दिक्कत आने की बात भी कही।

युवा संसद में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्राओं ने बढ़चढ़र लिया प्रतिभाग

उत्तरकाशी(संवाददाता)। भारत सरकार के खेल मंत्रालय और राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से जनपदीय स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों से 91 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में स्वाति नौटियाल प्रथम स्थान पर रही। रामचंद्र उनियाल स्नाकोत्तर महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित युवा संसद का शुभारंभ डीएफओ डीपी बलूनी और मंजीरा देवी शिक्षण संस्थान के कुलपति भगवान नौटियाल ने किया। इसके बाद आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबक विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान डीएफओ डीपी बलूनी ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही युवाओं को गंभीर अध्ययन की आदत विकसित करने की सलाह दी। वहीं, विशिष्ट अतिथि मंजीरा देवी शिक्षण संस्थान के कुलपति भगवान नौटियाल ने युवाओं को सरकार की ओर से संचालित रोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। डॉ. मधु थपलियाल ने छात्रों को अध्ययनशील रहने के लिए प्रेरित किया। जिला नेहरू युवा केंद्र के आशीष पंत ने विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 के नियमों की जानकारी दी। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में स्वाति नौटियाल, अवधेश नौटियाल, नेहा रावत, साहिल क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा और चौथा स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन डॉ. ममता ध्यान और सोहनपाल ने किया। इस मौके पर बबीता शाह, प्रताप सिंह बिष्ट, डॉ. विनीता कोहली, डॉ. रिचा बधानी, डॉ. नेहा गोस्वामी, डॉ. प्रदेव आदि मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को वनों को आग से बचाने के लिए किया जागरूक

उत्तरकाशी(संवाददाता)। वन अग्नि सुरक्षा प्रबंधन अभियान के तहत अपर यमुना वन प्रभाग की मुंगरसन्ति रेंज में जागरूकता गोष्ठी और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को वनों को आग से बचाने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही जंगलों में लगने वाली आग से जीव जंतु और पौधों को नुकसान की जानकारी दी। यमुना वन प्रभाग की मुंगरसन्ति रेंज की ओर से जन आस्था मंच से जुड़ी सुनील बेसारी की टीम ने नुक्कड़ नाटक और जन गीतों के माध्यम से लोगों से जंगलों को बचाने की अपील की। इसके साथ ही कलाकारों ने संदेश दिया कि जंगल ही जीवन हैं, स्वस्थ जीवन के लिए जंगलों की सुरक्षा जरूरी है। कहा कि जंगलों में लगने वाली आग के लिए मनुष्य जिम्मेदार है। जब तक हम जागरूक नहीं होंगे जंगलों में लगने वाली आग से जीव जंतु और पेड़ पौधों को नुकसान होता रहेगा। वन क्षेत्राधिकारी मुंगरा सन्ती रेंज शेखर राणा ने वनों में लगने वाली आग के कारणों को जनता के समक्ष रखा। साथ ही वनों को आग से बचाने के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति जंगलों में आग लगाते हुए दिखता है। तो विभागीय कर्मचारियों को सूचना दें। इस मौके पर वन बीट अधिकारी सरदार सिंह रावत, दिनेश रावत, सरस्वती, प्रतिमा, नवीन आदि वन कर्मी मौजूद रहे।

गैस की जमाखोरी पर प्रशासन सख्त, 27 घरेलू सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में पकड़े

उत्तरकाशी(संवाददाता)। पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में चल रहे तनाव को देखते हुए गैस आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को खाद्य विभाग की टीमों ने उत्तरकाशी मुख्यालय से मातली तक होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। शुक्रवार को जिला पूर्ति अधिकारी के नेतृत्व में गठित तीन टीमों ने कुल 42 प्रतिष्ठानों की जांच की। जांच के दौरान 27 घरेलू गैस सिलेंडर व्यावसायिक कार्यों में इस्तेमाल होते हुए पाए गए। टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर ही 8 घरेलू सिलेंडरों का चालान किया। प्रत्येक सिलेंडर पर 2200 रुपये की दर से कुल 17,600 रुपये जुर्माना वसूला गया और भविष्य में नियमों केपालन नहीं होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। वहीं 19 घरेलू सिलेंडरों को जब्त कर राजकीय अन्न भंडार ज्ञानसू के गोदाम में सुरक्षित रखा गया है। इन्हें संबंधित ऑयल कंपनियों को सौंपा जाएगा। चालान की राशि जमा करने और नियमों का पालन करने के आश्वासन के बाद ही इन सिलेंडरों को वापस किया जाएगा।

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि की एनएसएस इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ प्राथमिक विद्यालय सौडीध सिद्धनगर अगस्त्यमुनि में किया गया। प्राचार्य प्रो. केसी दुदपुड़ी ने स्वयंसेवियों से कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र-छात्राओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देती है। इसके माध्यम से युवाओं में देश सेवा, समर्पण, सामाजिक उत्थान और व्यक्तित्व विकास की भावना विकसित होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विष्णु कुमार शर्मा ने कहा कि शिविर स्वयंसेवियों को एक साथ रहकर एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और अच्छी आदतों से सीखने का अवसर प्रदान करता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी ने परमार्थ निकेतन में 38वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में किया प्रतिभाग

- योग को बताया विश्व शांति और आत्मिक संतुलन का सार्वभौमिक विज्ञान

- उत्तराखंड को योग की वैश्विक राजधानी बनाने हेतु "योग नीति 2025" लागू

- योग एवं ध्यान केंद्रों के लिए 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान

- गढ़वाल और कुमाऊं में स्थापित होंगे 'स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन'

- आयुष, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने हेतु बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान

देहरादून(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज योग नगरी ऋषिकेश स्थित परमार्थ निकेतन में आयोजित 38वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने देश-विदेश से पधारे योग साधकों, योगाचार्यों एवं महानुभावों का देवभूमि उत्तराखंड में स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह उनका परम सौभाग्य है कि उन्हें इस भव्य अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में सहभागिता का अवसर

प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ गंगा की दिव्य आरती में सहभागी बनना तथा विश्वकल्याण हेतु आयोजित पवित्र यज्ञ में आहुति अर्पित करना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की पुण्य भूमि से निकली प्राचीन और महान विधा है, जिसे आज विश्वभर के करोड़ों लोग अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने वाला सार्वभौमिक विज्ञान है, जो आत्मिक शांति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज जब विश्व तनाव, अवसाद और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रहा है, ऐसे समय में योग एक "नेचुरल हीलिंग सिस्टम" के रूप में आत्मिक शांति और संतुलन प्रदान कर रहा है। योगासन और प्राणायाम के माध्यम से शरीर और मन को तनावमुक्त किया जा सकता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता और एकाग्रता में वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग ने जाति, भाषा, धर्म और भूगोल की सीमाओं को पार कर मानव समाज को जोड़ने का कार्य किया है तथा "वसुधैव कुटुम्बकम्" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" के संदेश को विश्वभर में पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में रखा गया, जिसके परिणामस्वरूप आज 180 से अधिक देशों में योग का व्यापक अभ्यास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि योग और अध्यात्म की भूमि भी है। राज्य की नैसर्गिक सुंदरता और शुद्ध वातावरण योग साधना के लिए अत्यंत अनुकूल है। इसी दृष्टि से राज्य सरकार ने उत्तराखंड को योग की वैश्विक राजधानी बनाने हेतु देश की पहली "योग नीति 2025" लागू की है। उन्होंने बताया कि योग एवं ध्यान केंद्र विकसित करने के लिए 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी तथा शोध कार्यों के लिए 10 लाख रुपये तक के अनुदान का प्रावधान किया गया है। साथ ही पाँच नए योग हब स्थापित किए जा रहे हैं तथा सभी आयुष हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों में योग सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

नमामि गंगे योजना में करोड़ों खर्च बाद भी गंगा में बढ़ती गंदगी पर रोष जताया

देहरादून(संवाददाता)। जिला गंगा संरक्षण समिति की मासिक बैठक में नमामि गंगे योजना में करोड़ों रुपए के बजट खर्च किए जाने के बाद भी गंगा में बढ़ती गंदगी पर रोष जताया गया। कहा कि गंगा की सहायक नदी नालों में बड़ी मात्रा में कूड़ा बहाया जा रहा है जो गंगा में पहुंच रहा है। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में जिला गंगा संरक्षण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के नामित सदस्य पर्यावरणविद् डॉ विनोद प्रसाद जुगलान ने कहा कि नमामि गंगे योजना में करोड़ों रुपए के बजट खर्च किए हैं लेकिन गंगा की सहायक नदी नालों से होते हुए बड़ी मात्रा में कूड़ा गंगा में बहाया जा रहा है। इससे गंगा के प्रति आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही है। इसके लिए ठोस कार्य योजना की जरूरत है।

ऋषिकेश में आरवीएनएल परियोजना स्थल देखने पहुँचा ओडिशा का मीडिया प्रतिनिधिमंडल

देहरादून(संवाददाता)। शुक्रवार को ओडिशा के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने ऋषिकेश में रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) की प्रोजेक्ट साइट का दौरा किया। यह प्रेस टूर भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत, प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भुवनेश्वर द्वारा उत्तराखंड में आयोजित किया गया है।ओडिशा के मीडिया प्रतिनिधिमंडल का आरवीएनएल के डीजीएम (सिविल) ओम प्रकाश मालगुरी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने पत्रकारों के दल को महत्वाकांक्षी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन प्रोजेक्ट की प्रगति और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट को हिमालयी क्षेत्र में शुरू की गई

सबसे चुनौतीपूर्ण रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पहलों में से एक माना जाता है, और इसका उद्देश्य उत्तराखंड में रेल कनेक्टिविटी में काफी सुधार करना है।प्रोजेक्ट साइट के दौरे के दौरान अधिकारियों ने बताया कि 125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन, जिसे लगभग ₹37,000 करोड़ की अनुमानित लागत से विकसित किया जा रहा है। जो ऋषिकेश को हिमालयी क्षेत्र गढ़वाल के ऊबड़-खाबड़ इलाकों से होते हुए कर्णप्रयाग से जोड़ेगी। यह प्रोजेक्ट उत्तराखंड के पांच जिलों देहरादून, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली से होकर गुजरता है, जिससे पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रोजेक्ट की इंजीनियरिंग से जुड़ी जटिलताओं पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों ने बताया कि रेल मार्ग का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरता है, जिससे यह देश के सबसे ज्यादा सुरंगों वाले रेलवे प्रोजेक्ट्स में से एक बन जाता है। इस प्रोजेक्ट में 100 किलोमीटर से ज्यादा लंबी 16 बड़ी सुरंगों का निर्माण शामिल है, साथ ही गहरी घाटियों और पहाड़ी नदियों पर कई पुल भी बनाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार...

अच्छी पैदावार के लिए समय पर बुआई और बेहतर सिंचाई प्रबंधन जरूरी

रुड़की(संवाददाता)। ब्लॉक सभागार में किसान दिवस कार्यक्रम में किसानों को कृषि से जुड़ी सरकारी योजनाओं और आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान के लिए सुझाव दिए। मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भंडारी ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कृषि यंत्रीकरण, परंपरागत कृषि विकास योजना और उन्नत बीजों के उपयोग के साथ संतुलित उर्वरक व आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दिया।

फैक्ट्री से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रुड़की(संवाददाता)। बिझौली की रबर फैक्ट्री में चोरी के मामले में मंगलौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किया गया कीमती सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया है। फ्रेंड्स कॉलोनी, बिझौली स्थित फैक्ट्री के मालिक निशांत गौर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि फैक्ट्री में पिछले 2-3 वर्षों से कार्यरत कर्मचारी अंकित पाल ने अपने एक साथी के साथ मिलकर रबर मशीन का गियरबॉक्स चुरा लिया था। चोरी की यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी अंकित पाल निवासी पेसिफिक होटल के पीछे, दिल्ली रोड को धर दबोचा। पुलिस टीम ने आरोपी की निशानदेही पर गियरबॉक्स के वे हिस्से और अन्य कीमती सामान भी बरामद कर लिया है, जो घटना के बाद से गायब थे।

रामनगर-हल्द्वानी मार्ग पर देर रात हाथियों का झुंड, कोसी बैराज के पास लगा लंबा जाम; वन विभाग ने संभाला मोर्चा

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर वन प्रभाग के अंतर्गत कोसी बैराज के पास पड़ने वाले नगर वन क्षेत्र में देर रात उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब रामनगर-हल्द्वानी मार्ग पर अचानक हाथियों का झुंड सड़क पर आ गया,हाथियों के सड़क पर आने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।बताया जा रहा है कि गुरुवार देर रात करीब 10 हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया था। इस झुंड में छोटे हाथी के

बच्चे भी शामिल थे, जिसके चलते हाथियों की गतिविधि को देखते हुए लोगों में डर का माहौल बन गया,कई वाहन चालक अपनी गाड़ियां रोककर दूर से ही स्थिति सामान्य होने का इंतजार करते रहे।

स्कॉर्पियो वाहन खाई में गिरा दो घायल

अल्मोड़ा(संवाददाता)। सोमेश्वर क्षेत्र में पच्चीसी के पास शुक्रवार को एक स्कॉर्पियो वाहन खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौसानी पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। दोनों को हल्की चोटें आई हैं और उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार वाहन संख्या यूके 01 टीए 3561 अचानक अनियंत्रित होकर करीब 60 मीटर गहरी खाई में गिर गया। डायल 112 के माध्यम से गुरुवार शुक्रवार मध्य रात्रि करीब 1:05 बजे घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोमेश्वर मदन मोहन जोशी पुलिस बल और रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए चालक और उसके साथी को खाई से निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौसानी भेज दिया था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

' गैस-तेल संकट के लिए मोदी सरकार की गलत नीतियाँ जिम्मेदार जनता पर महँगाई का बोझ अस्वीकार्य : माले

हल्द्वानी (संवाददाता)। देश भर में एलपीजी की किल्लत के लिए मोदी सरकार की गलत विदेश और आर्थिक नीतियां जिम्मेदार हैं. प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के एक बाद एक गलत निर्णयों का खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है. अमेरिका इजराइल के द्वारा ईरान पर जबरन साम्राज्यवादी युद्ध थोपने से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा से पूरी दुनिया में बेहद बुरा संदेश गया. अमेरिका के निर्देश पर देश के सबसे पुराने और भरोसेमंद मित्र रूस से तेल खरीदने से मना करना और युद्ध के दौरान रूस से तेल खरीदने के लिए दी गई 30 दिनी ष्अमेरिकी छूटष् ने दिखा दिया कि भाजपा सरकार देश की संप्रभुता को दरकिनार करते हुए किस कदर अमेरिका के सम्मुख आत्मसमर्पण कर चुकी है. विदेश नीति में मोदी सरकार की अमेरिका इजराइल के पिट्ठू की भूमिका का नतीजा है कि भारत में गैस और तेल का संकट पैदा हो गया है. यह बात भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने प्रेस बयान में कही. उन्होंने कहा कि, जब अमेरिका इजराइल ने ईरान पर हमला किया तब केंद्र की भाजपा सरकार ने विश्वास दिलाते हुए कहा था कि देश की जनता को चिंता करने की जरूरत नहीं है देश के पास तेल और गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है. लेकिन युद्ध के कुछ ही दिनों में मोदी सरकार का झूठ खुलकर सामने आ गया और देश में चौतरफा रूप से संकट प्रकट हो गया. कई रेस्टोरेंट्स बंद हो गए, शादी ब्याह के लिए गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे, घरेलू गैस के लिए बुकिंग नहीं हो पा रही, बुकिंग वेबसाइट क्रैश हो गई है, हॉस्टल, मेस, स्ट्रीट फूड वेंडर्स सभी हलकान हैं और सरकार संकट के समय सिर्फ जुबानी जमा खर्च से काम चला रही है. इस संकट से निपटने के लिए बातों की नहीं ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है. सबसे पहले मोदी सरकार अपनी अमेरिका इजराइल परस्त विदेश नीति से किनारा करे और भारत की पहचान रही गुटनिरपेक्ष विदेश नीति का अनुसरण करे.माले जिला सचिव ने कहा, यह भी याद रखना जरूरी है कि देश में बढ़ते तेल और गैस संकट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी-नीत भारत सरकार की ऊर्जा नीति पूरी तरह कॉरपोरेट-परस्त और जनविरोधी है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का बहाना बनाकर नरेंद्र मोदी सरकार लगातार पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का बोझ आम जनता पर डाल रही है. बीते वर्षों में सरकार ने तेल-गैस क्षेत्र में सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका को कमजोर किया है और निजी कंपनियों को खुली छूट दी है. रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी ग्रुप जैसे बड़े कॉरपोरेट घरानों को लाभ पहुँचाने के लिए नीतियाँ बनाई गईं, जबकि आम लोगों को महँगाई और ऊर्जा असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है. सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर भारी कर लगाकर जनता से लाखों करोड़ रुपये वसूले हैं. जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम थीं, तब भी सरकार ने कीमतें कम नहीं कीं और कर वसूली बढ़ाकर मुनाफा कमाया. आज जब वैश्विक अस्थिरता के कारण तेल-गैस की कीमतें बढ़ रही हैं, तो सरकार फिर वही बोझ जनता के सिर पर डाल रही है. रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण गरीब और मध्यम वर्ग की रसोई पर संकट खड़ा हो गया है. तथाकथित कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद बड़ी संख्या में परिवार सिलेंडर भरवाने में असमर्थ हैं और फिर से पारंपरिक ईंधनों की ओर लौटने को मजबूर हो रहे हैं. यह स्थिति महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए नुकसानदेह है.भाकपा माले मांग करती है कि, ऊर्जा क्षेत्र को कॉरपोरेट मुनाफे का साधन बनाने के बजाय जनता की जरूरतों के अनुसार चलाया जाना चाहिए. सरकार को चाहिए कि, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस पर लगाए गए भारी करों में तुरंत कटौती करे. तेल-गैस क्षेत्र में सार्वजनिक उपक्रमों को मजबूत करे और निजी एकाधिकार पर रोक लगाए. रसोई गैस पर सार्वभौमिक सब्सिडी बहाल करे ताकि गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिल सके. दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए ऊर्जा क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश को प्राथमिकता दे. तेल-गैस संकट का समाधान जनता पर बोझ डालकर नहीं बल्कि जनहितकारी नीतियों से ही संभव है. हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि वह अमेरिका निर्देशित कॉरपोरेट-परस्त नीतियों को त्यागकर आम जनता को राहत देने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए.

गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती, क्यूआरटी रखेगी नजर

अल्मोड़ा (संवाददाता)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने घरेलू गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनियमितता या शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने क्विक रिस्पांस दलों के प्रभारियों उपजिलाधिकारियों के साथ गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जनपद में घरेलू गैस की आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि आम जनता को निर्धारित दरों और तय समयांतराल पर गैस उपलब्ध हो। जिलाधिकारी ने बताया कि गैस वितरकों और एजेंसियों को भी प्रशासन द्वारा तय व्यवस्था का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही अपना रिफिल सिलेंडर प्राप्त करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राजस्व वादों के निस्तारण की भी समीक्षा की और सभी उपजिलाधिकारियों को लंबित वादों के निपटान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

भाजपा नेताओं ने विभिन्न मुद्दों को लेकर अलग अलग मुलाकात कर ज्ञापन सौंपे

रामनगर (संवाददाता)। कॉर्बेट टाईगर रिजर्व के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत साकेत बडोला और रामनगर वन प्रभाग के डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया से भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने विभिन्न मुद्दों को लेकर अलग अलग मुलाकात कर ज्ञापन सौंपे। डायरेक्टर डॉक्टर साकेत बडोला को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि 64 नम्बर गेट जाने वाली रोड पर जल्द काटने एवं नया झिरना से मालधन सूखे पेड़ो को जल्द से से हलदुवा, रामनगर रामनगर से छोई,रामनगर सावलदे, रामनगर से से मोहान व रामनगर से पेड़ों को हटाने का पाटकोट पर भी सूखे में कोई नुकसान आग्रह किया।ताकि भविष्य

जनता का ना हो,साथ ही पूर्व की भांति पुनः एक बार अवगत कराया है कि युवाओं के रोजगार के लिए जंगल सफारी का एक गेट गर्जिया से धनगढ़ी के बीच मे बनाने का आग्रह किया है। डायरेक्टर ने जल्द कार्य करने का आश्वासन दिया है।वही दूसरी ओर रामनगर वन प्रभाग के डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।दिए गए ज्ञापन में भाजपा नेता राकेश नैनवाल ने बताया कि कोसी बैराज के पास ग्रीन वैली रेस्टोरेंट के नजदीक लगे हुए स्थान पर जनता के लिये पार्क बनाने का आग्रह किया,जिस पर उन्होंने जल्द कार्यवाही की बात कही।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक सम्पन्न

रामनगर (संवाददाता)। नगर पालिका परिषद रामनगर सभागार में यातायात व्यवस्था सुधार करने को लेकर एसडीएम गोपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक सम्पन्न हुई।बैठक में सभासदों,व्यापारियों,बस यूनियन और ठेला कर्मियों ने भी भागेदारी की।एसडीएम ने बताया पर्यटन सीजन शुरू होने वाला है और दूसरे प्रदेशों के गेस्ट्रो की आवाजाही शुरू हो जाएगी।शिवलालपुर चुंगी से लेकर आमडांडा तक यातायात व्यवस्था सुधार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य बाजार,रानीखेत रोड, भवानीगंज,कोसी रोड और रानीखेत रोड पर जो दुकानदारों और अन्य लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है।वह अतिक्रमण शनिवार से हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो अतिक्रमण नहीं हटाएंगे उसके खिलाफ कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।कहा कि जल्द से जल्द अतिक्रमण कारी अपना अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें।पालन नहीं

करने सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान एसडीएम गोपाल सिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अकरम,नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल,एआरटीओ रामनगर सुरेंद्र कपकोटी,यातायात निरीक्षक वेदप्रकाश भट्ट,विद्युत विभाग के एसडीओ दर्पण सिंह निखुर्पा,एसएसआई महेंद्र प्रसाद,व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश चंद्रा,पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल,सभासद तनुज दुर्गापाल, सभासद शमीम अहमद,सभासद सचिन कुमार, सभासद सोनू करीम,सभासद मोहम्मद अजमल, सभासद राहुल रावत, सभासद सलमान सलमानी, सभासद नवीन सुनेजा, सभासद शिवी अग्रवाल, सभासद प्रतिनिधि राजा सलमानी, सभासद प्रतिनिधि हेमंत बिष्ट, सभासद विक्रम भट्ट ठेला खोखा फड़ यूनियन के अध्यक्ष अजय पाल,बस यूनियन से इसरार अहमद, मोहम्मद इमरान आदि मौजूद रहें।

रामनगर में ड्यूटी पर जा रही महिला संविदा कर्मी पर हमला, छेड़खानी के बाद मारपीट; घटना से अस्पताल स्टाफ में दहशत

रामनगर (संवाददाता)। सरकार और प्रशासन भले ही महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हों, लेकिन जमीनी हकीकत कई बार इन दावों पर सवाल खड़े कर देती है। ताजा मामला रामनगर से सामने आया है, जहां ड्यूटी पर जा रही एक महिला संविदा कर्मचारी पर अज्ञात युवक ने हमला कर छेड़खानी की। घटना के बाद पीड़ित महिला और अस्पताल की अन्य महिला कर्मचारियों में दहशत का माहौल बन गया है,जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह की है,रामनगर के सरकारी अस्पताल में संविदा पर तैनात एक महिला कर्मचारी सुबह अपने घर से ड्यूटी के लिए अस्पताल जा रही थी, इसी दौरान उसके घर से कुछ दूरी पर स्थित रेलवे पटरी के पास एक अज्ञात युवक ने पीछे से उस पर हमला कर दिया,बताया जा रहा है कि युवक ने महिला का मुंह दबाकर उसे नीचे गिरा दिया और उसके साथ छेड़खानी करते हुए मारपीट शुरू कर दी,इस दौरान आरोपी ने महिला कर्मचारी का मोबाइल फोन भी छीन लिया,महिला कर्मचारी ने साहस दिखाते हुए किसी तरह खुद को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। इसी बीच युवक ने उसका फोन फेंक दिया और मौके से फरार हो गया,पीड़ित महिला ने तुरंत अपना फोन उठाकर रोते हुए अस्पताल के स्टाफ को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही अस्पताल के कुछ चिकित्सक और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और डरी-सहमी महिला को अस्पताल ले आए,यहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई,घटना के बाद पीड़ित महिला काफी सहमी हुई है, वहीं अस्पताल में काम करने वाली अन्य महिला कर्मचारियों में भी डर का माहौल बना हुआ है,दिनदहाड़े हुई इस घटना ने एक बार फिर महिला सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं,पीड़ित महिला कर्मचारी ने कोतवाली पुलिस में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है,पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की ओटीटी रिलीज से उठा पर्दा, 27 मार्च से नेटफ्लिक्स पर दहाड़ेंगी शिवानी शिवाजी राय

रानी मुखर्जी की पावर-पैक परफॉर्मेंस वाली फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में बजट निकालने के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है। 30 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर कड़े मुकाबले का सामना किया, लेकिन इसके बावजूद यह फिल्म अपनी थिएटर में मजबूती से टिकी रही। अब रिलीज के लगभग दो महीने बाद प्रशंसक इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।यशराज फिल्म्स की इस क्राइम थ्रिलर का नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना तय हो चुका है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक किसी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 27 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। हालांकि इस संबंध में वाईआरएफ की ओर से पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन डिजिटल प्रीमियर को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह देखा जा रहा है।कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मर्दानी 3 ने बॉक्स ऑफिस पर एक ठीक-ठाक सफर तय किया है। फिल्म कमाई के मामले में खासा कमाल नहीं कर सकी, लेकिन क्रिटिक्स ने काफी तारीफें कीं। फिल्म ने अपने थिएटर रन के 41वें दिन तक करीब 50.78 करोड़ रुपये का नेट और 60.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसके बजट पर गौर करें तो ये 60 करोड़ के करीब था। एक महिला प्रधान एक्शन फिल्म के लिए खासकर कड़े कॉम्पिटिशन के बीच इतनी कमाई भी कर पाना सम्मानजनक है। दुनिया भर में कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो ये 75 करोड़ रुपये है।मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में रानी मुखर्जी एक बार फिर सीनियर कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के दमदार अंदाज में नजर आईं। समीक्षकों ने फिल्म को काफी सराहा है, जहां इंडिया टीवी ने इसे 5 में से 3.5 स्टार दिए हैं। समीक्षा के अनुसार रानी मुखर्जी इस फिल्म की आत्मा हैं और उन्होंने शिवानी के किरदार को एक नई ऊंचाई दी है। फिल्म में उनके एक्शन सीन्स और जटिल अपराधों को सुलझाने के उनके बेखौफ तरीके ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। यह फिल्म न केवल एक थ्रिलर है, बल्कि फिल्म जगत में रानी मुखर्जी की स्थिति को एक भरोसेमंद अभिनेत्री के रूप में और मजबूत करती है।अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा के यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अपनी पिछली दो कड़ियों (2014 और 2019) की विरासत को सफलतापूर्वक आगे ले जाती है। फिल्म का बैकग्राउंड और क्रिमिनल माइंडसेट को पकड़ने का तरीका इसे एक मस्ट-वॉच कॉप ड्रामा बनाता है।

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह का तीसरा दमदार गाना कॉलर ए एत्थारा आउट, 19 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

उस्ताद भगत सिंह को लेकर क्रेज नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है, और हर गाने और टीजर को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।उत्साह को और भी बढ़ाने के लिए, टीम ने अब तीसरा सिंगल कॉलर ए एत्थारा लॉन्च कर दिया है, जिससे चर्चा और भी तेज हो गई है। भव्य पैमाने पर निर्मित यह गाना अपने विशाल सेट, जीवंत दृश्यों और पर्दे पर जबरदस्त ऊर्जा के साथ बेहद शानदार दिखता है। पवन कल्याण इस गाने में बेहद प्रभावशाली लग रहे हैं, अपने खास अंदाज, ऊर्जा और डांस मूव्स से स्क्रीन पर चार चांद लगा रहे हैं।रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद की धड़कती धुनें, राम मिरयाला की ऊर्जावान आवाज और कासरला श्याम द्वारा लिखे गए शक्तिशाली बोल मिलकर एक ऐसा गीत बनाते हैं जो फिल्म की व्यापक लोकप्रियता को पूरी तरह से दर्शाता है।टीम 14 मार्च को ट्रेलर जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसके बाद 15 मार्च को एक भव्य प्री-रिलीज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।निर्देशक हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह को दर्शकों के लिए एक यादगार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में बनीं शोस्टॉपर

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में प्रतिष्ठित कलकत्ता टाइम्स फैशन शोकेस में मशहूर डिजाइनर अर्चना कोचर के लिए शोस्टॉपर बनीं। उन्होंने रैंप वॉक करते हुए शो का समापन किया और अपनी शानदार मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। आर्चना कोचर के खूबसूरती से तैयार किए गए परिधान में माधुरिमा बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनकी ग्रेसफुल रैंप वॉक और आउटफिट की बारीक कारीगरी ने डिजाइनर की सिग्नेचर स्टाइल को खूबसूरती से पेश किया। माधुरिमा ने इस लुक को बेहद आत्मविश्वास और सहजता के साथ कैरी किया, जिससे उन्होंने एक मजबूत स्टाइल स्टेटमेंट दिया और अपने चार्म व पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया।यह इवेंट ग्लैमर, स्टाइल और क्रिएटिविटी से भरपूर रहा, जिसमें माधुरिमा की उपस्थिति शो की मुख्य झलकियों में से एक बन गई। उनकी कॉन्फिडेंट रैंप वॉक और शानदार लुक ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी और डिजाइनर के प्रेजेंटेशन में स्टार पावर का तड़का लगा दिया।

पिछले कुछ वर्षों में माधुरिमा ने फिल्मों और टेलीविजन के साथ-साथ फैशन की दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अपनी एलिगेंट पर्सनैलिटी और बेहतरीन स्टाइल के साथ वह लगातार फैंस और फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती आ रही हैं, जिससे इस इवेंट में उनका शोस्टॉपर बनना सचमुच यादगार बन गया।

द केरल स्टोरी 2 ने 13वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल,श्ओ रोमियो धीमी हुई कमाई, अस्सी का बुरा हाल

द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. यह फिल्म 2023 की हिट द केरल स्टोरी का स्पिरिचुअल सीक्वल है, लेकिन यह अपने पहले पार्ट के बॉक्स ऑफिस नंबर्स की बराबरी करने में नाकाम रही है. फिर भी इसने अच्छा परफॉर्म किया है और अपने बजट से ज्यादा का कलेक्शन कर डाला है. यहां तक की दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में 30 फीसदी की तेजी भी दर्ज की गई. चलिए यहां जान लेते हैं कि द केरल स्टोरी 2श ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?

काफी विवादों में रही द केरल स्टोरी 2श ने सिनेमाघरों में फीकी शुरुआत की थी. लेकिन इसके बाद इसने दूसरे दिन से ऐसी रफ्तार पकड़ी की 9 दिनों के भीतर ही अपना बजट वसूल डाला. अब ये फिल्म मुनाफा कमाकर मेकर्स की तिजोरियां भरने का काम कर रही है. इस बीच अच्छी बात ये है कि दूसरे हफ्ते में भी ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है. दूसरे बुधवार यानी 13वें दिन भी इसने अच्छी कमाई की है.सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक द केरल स्टोरी 2श रिलीज के 13वें दिन 1.39 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इसकी 13 दिनों की कुल नेट कमाई अब 38.44 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन 43.29 करोड़ रुपये हुआ है.श्ओ रोमियोश मूवी को रिलीज हुए 27 दिन हो चुके हैं। ऐसे में ये फिल्म अभी भी ठीक-ठाक कमाई करती नजर आ रही है। बुधवार को इसने 27 लाख की कमाई की। जबकि फिल्म ने मंगलवार को 41 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है, लेकिन इसने अभी तक 100 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं किया है। इसका कुल कलेक्शन 71.02 करोड़ है।श्अस्सीश फिल्म को रिलीज हुए दो हफ्तों से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा धमाल नहीं मचा पा रही है। सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने 20वें दिन केवल 10 लाख की कमाई की। जबकि 19वें दिन इस फिल्म ने 12 लाख रुपये की कमाई की थी। मूवी अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 10.80 करोड़ की कमाई कर चुकी है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

उत्तराखंड ने इन 10 जिलों में नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश के दस जिलों- देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी,चमोली, उत्तरकाशी, यूएसनगर, अल्मोड़ा, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में नए केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव हैं। उन्होंने बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को प्रश्नकाल में विधायक आदेश चौहान के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। विधायक चौहान ने राज्य में नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना को लेकर प्रश्न पूछा था। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि जसपुर में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। इस समेत सभी दस केंद्रीय विद्यालय की स्थापना नीतिगत मामला है जिसे केंद्र से स्वीकृति दी जानी है।सेवा नियमावली तैयार की जा रही: विधायक बृजभूषण गैरोला के सवाल पर शिक्षा मंत्री डॉ.रावत ने सदन में जानकारी दी कि अटल उत्कृष्ट स्कूलों की कार्यप्रणाली बेहतर बनाने के लिए सेवा नियमावली तैयार की जा रही है। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि अटल उत्कृष्ट स्कूलों में प्रवक्ता और एलटी शिक्षकों के 820 पद खाली हैं। साथ ही आश्वासन दिया कि ये पद बोर्ड परीक्षा खत्म होने के बाद भर दिए जाएंगे। साथ ही प्रधानाचार्यों या खंड शिक्षा अधिकारियों को और अधिकार देने पर भी विचार किया जा रहा है।कंप्यूटर शिक्षा के लिए नई नियुक्तियां नहीं: स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा पर कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश और भाजपा विधायक महेश जीना ने तीखे सवाल किए। इस पर शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि फिलहाल कंप्यूटर शिक्षकों की नई तैनाती नहीं होगी। पहले से तैनात शिक्षकों को ही कंप्यूटर की ट्रेनिंग दी जा रही है। वहीं, राज्य के 110 संस्कृत स्कूलों में सिर्फ 37 में ही कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है।प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद फैसला: विधायक बृजभूषण गैरोला ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में शिक्षकों की पदोन्नति नहीं होने और प्रधानाचार्यों के पद रिक्त होने का विषय उठाया। इस पर मंत्री ने कहा कि माध्यमिक स्कूलों में रिक्त पदों पर विभागीय भर्ती परीक्षा सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय के बाद ही आयोजित होगी। सुरेश गड़िया के छात्रवृत्ति संबंधी सवाल पर मंत्री ने बताया कि बीते चार वर्षों में 21 हजार से अधिक छात्रों को 17.67 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति बाटी गई।क्लस्टर स्कूल योजना नहीं पकड़ पाई रफ्तार: 'क्लस्टर स्कूल योजना' को लेकर विधायक सुमित हृदयेश के प्रश्न पर डॉ. धन सिंह रावत ने माना कि माध्यमिक स्तर पर अब तक एक भी स्कूल का विलय नहीं हो सका है, जबकि प्राथमिक स्तर पर केवल उत्तरकाशी में नौ स्कूलों का विलय हुआ है। मालूम हो कि वर्ष 2023 में सरकार ने क्लस्टर स्कूल बनाने का निर्णय लिया था। इसमें कम छात्र संख्या वाले स्कूल का नजदीकी के बड़े स्कूल में विलय किया जाना था।

ड्राइवर कार लेकर फरार

देहरादून(संवाददाता)। पंद्रह दिन पहले नौकरी पर रखा गया ड्राइवर मालिक की कार लेकर फरार हो गया। शादी समारोह में मालिक संग आरोपी ने यह वारदात की। शिकायत पर गुरुवार को राजपुर थाना पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर राजपुर प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि मसूरी रोड स्थित शिवालिक ग्रीन अपार्टमेंट निवासी अवनीत सिंह बरार ने तहरीर दी। बताया कि उन्होंने करीब 15-20 दिन पहले सौरभ पांचाल निवासी मोहब्बेवाला को बतौर ड्राइवर काम पर रखा था। 11 मार्च को अवनीत राजपुर स्थित लगजूरिया फार्म में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

संक्षिप्त समाचार...

गैरसैण राजधानी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठ पूर्व आईएएस के बेटे

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड की स्थायी राजधानी के मुद्दे पर पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी के मार्गदर्शन में उनके 18 वर्षीय बेटे पार्थ रतूड़ी 'प्रण से प्राण तक' के संकल्प के साथ अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठ गए हैं।उन्होंने गैरसैण को स्थाई राजधानी बनाने की मांग की है। पार्थ पत्रकारिता के छात्र हैं। जानकारी के अनुसार एकता विहार में क्रमिक अनशन के दौरान पार्थ रतूड़ी ने राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि गैरसैंण में सत्र कराना या इसे ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित करना किसी नेता का अहसान नहीं है। असली ऋण उन 42 शहीदों का है जिन्होंने अपनी शहादत दी, लेकिन आज राजनीतिक मंचों पर केवल अपनी उपलब्धियों का गुणगान होता है। उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र के स्तंभ विफल हों, तो चौथे स्तंभ के छात्र के रूप में वे जनता की आवाज उठाने को मजबूर हैं। अनशनकारी ने प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि धरना स्थल पर भारी गंदगी है, जिसकी शिकायत मेयर से करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो देहरादून विधानसभा का घेराव किया जाएगा और इस मुद्दे को न्यायालय तक ले जाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष पहाड़ की आत्मा और शहीदों के सपनों की रक्षा के लिए है, जो स्थायी राजधानी घोषित होने तक जारी रहेगा।

उत्तराखंड में वक्फ बोर्ड की नेक पहल, 500 वक्फ कमेटियां हजारों जरूरतमंद परिवारों को बांटेंगी राहत किट

देहरादून(संवाददाता)। ईद-उल-फितर के मौके पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने बड़ी पहल की है। बोर्ड के अध्यक्ष हाजी शादाब शम्स और सीईओ गिरधारी सिंह रावत के निर्देश पर प्रदेश की करीब 500 वक्फ कमेटियां हजारों जरूरतमंद परिवारों को राहत किट बांटेंगी। इसके साथ ही शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सड़कों पर नमाज न पढ़ने की अपील भी की गई है। ईद 20 या 21 मार्च को मनाई जाएगी। वक्फ बोर्ड की ओर से बांटी जा रही इस किट में ईद की खुशियों का पूरा इंतजाम किया गया है। जरूरतमंदों को दी जाने वाली किट में दूध, सेवई, चीनी, चावल और ड्राई फ्रूट्स के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों के लिए नए कपड़े भी शामिल किए गए हैं।वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष हाजी शादाब शम्स ने समाज के संपन्न और अमीर लोगों से विशेष आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को जकात और सदका दिया जा सकता है, उन्हें उनका हक जरूर दें। अपील की है कि गरीब परिवारों और उनके बच्चों के लिए ईद के सामान व कपड़ों की व्यवस्था करें, ताकि हर तबका ईद की खुशियों में शामिल हो सके।बोर्ड अध्यक्ष शम्स ने बताया कि ईद की नमाज को लेकर उलेमाओं (धर्मगुरुओं) से वार्ता करने के बाद यह आह्वान किया गया है कि कहीं भी सड़क पर नमाज अदा न की जाए। केवल ईदगाह और मस्जिदों के अंदर ही पढ़ी जाए। यदि मस्जिदों में भीड़ अधिक हो जाती है तो सहूलियत के लिए एक ही मस्जिद में दोबारा नमाज (जमात) पढ़ाई जा सकती है, लेकिन सार्वजनिक रास्तों को बाधित करने से बचा जाए। पिछले साल देहरादून की सुभाषनगर ईदगाह समेत कई जगहों पर दो बार जमात की गई थी।

प्रशासन की पहल से महिला व बेटे को छत मिल सकेगी

देहरादून(संवाददाता)। प्रशासन की पहल से महिला व बेटे को रहने के लिए छत मिल सकेगी जबकि एक परिवार व्यवसाय कर अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकेगा। आर्थिक तंगी के चलते मकान का किराया भी समय पर अदा न कर पाने के कारण मकान मालिक ने अमृता जोशी और उनके परिवार को घर से बाहर कर दिया था। प्रशासन ने परिवार की आर्थिक मदद कर सीएसआर फंड से 01 लाख आर्थिक सहायता दी है। पहले मामले में सुद्दोवाला निवासी मीना ठाकुर ने डीएम को पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि उनके पति पिछले लगभग आठ वर्षों से लापता हैं, जिनका अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति के कारण वह किराये के मकान में रहकर बड़ी कठिनाई से अपने परिवार का गुजर-बसर कर रही हैं।मीना ठाकुर के परिवार में 4 बेटियां तथा 1 बेटा व 2 दिव्यांग बेटी है। बच्चों की शिक्षा तथा परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना उनके लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया है। डीएम ने सीएसआर फंड से 01 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए, जो सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई। डीएम द्वारा प्रदान की गई इस सहायता राशि से मीना ठाकुर अब स्वरोजगार के माध्यम से कोई छोटा-मोटा व्यवसाय प्रारंभ कर अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए स्थायी आय का स्रोत विकसित कर सकेंगी। दूसरे मामले में खुड्बुड़ा क्षेत्र में किराये के मकान में निवास कर रही अमृता जोशी ने आर्थिक मदद की मांग की।बताया कि उनका बड़ा बेटा मानसिक विकार से ग्रस्त है, जिसके उपचार में निरंतर आर्थिक व्यय हो रहा था। सीमित आय के कारण वह अपने बेटे के उपचार तथा घर की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं। इसी बीच कई महीनों से छोटे बेटे की स्कूल फीस जमा न होने के कारण विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चे को स्कूल से निकाल दिया गया। मकान का किराया भी समय पर अदा न कर पाने के कारण मकान मालिक ने अमृता जोशी और उनके परिवार को घर से बाहर कर दिया। डीएम ने सीएसआर फंड के माध्यम से अमृता जोशी को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उनके बैंक खाते में हस्तांतरित करवाई।राशि से अमृता जोशी अब अपने बड़े बेटे का समुचित उपचार कराने के साथ ही छोटे बेटे की स्कूल फीस तथा मकान का बकाया किराया अदा कर सकेंगी।

खेल अनुशासन आत्मविश्वास और टीम भावना का करते हैं विकास: गीता धामी

देहरादून(संवाददाता)। खेल केवल शारीरिक क्षमता को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी विकास करते हैं। यह बात शुक्रवार को सीआईएमएस एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज देहरादून में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025- 26 के समापन अवसर पर छात्रों को संबोधित करने के दौरान सेवा संकल्प फाउंडेशन की अध्यक्ष गीता धामी ने कही। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वह खेल और सकारात्मक गतिविधियों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, स्वयं को नशे से दूर रखें और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी द्वारा प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान की भी प्रशंसा की और कहा कि नशे को ना और फिटनेस को हां की थीम पर स्पोर्ट्स मीट का आयोजन उसी अभियान का एक सकारात्मक प्रयास है। मुख्य अतिथि व एसएसपी एसटीएफ देहरादून अजय सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन के दौरान आयोजित होने वाली खेलकूद प्रतियोगिताएं जीवन भर याद रहने वाले अनुभव बन जाती हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वह खेलकूद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्वयं को फिट रखें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें।

छात्रों को दी वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग की जानकारी

देहरादून(संवाददाता)। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज सौड़ा सरोली देहरादून में करियर परामर्श व मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शुक्रवार को एक उद्यमिता कार्यशाला आयोजित की गई। इसका शुभारंभ मुख्यअतिथि व संदर्भदाता प्रभजोत सिंह दुलत, सह संदर्भदाता वैभव डिमरी, ग्राम प्रधान सूरज राणा, विद्यालय के प्रधानाचार्य राम बाबू विमल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान प्रबंधक आईडीबीआई बैंक तपोवन ने छात्रों को कक्षा 12 के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध व्यावसायिक विकल्पों की जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य राम बाबू विमल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बारहवीं के बाद अनेक क्षेत्रों में नौकरी और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक - राजेश पंत**
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधक: वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताजातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com